

सर्वनाम - सर्व + नाम
सँझी सँज्ञा

वै शब्द जो सँज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं सर्वनाम कहलाते हैं, अर्थात् किसी वाक्य में एक ही शब्द की बार-बार पुनरावृत्ति न हो इसके लिए सँज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, सर्वनाम कहलाते हैं -

जैसे - मितांश जोधपुर रहता है, वृह वै पढ़ता है।

सर्वनाम के भेद :- छह भेद

- ① → पुरुषवाचक सर्वनाम
- ② → निश्चयवाचक "
- ③ → अनिश्चयवाचक "
- ④ → सम्बन्धवाचक "
- ⑤ → प्रश्नवाचक "
- ⑥ → निजवाचक "

① पुरुषवाचक सर्वनाम -

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाले वक्ता, सुनने वाले श्रोता या किसी अन्य के लिए प्रयोग किया जाता है, पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं -

जैसे - मैं अपने घर पर रहता हूँ। तुम भी अपने घर जाओ।
वह अपना कार्य कर रहा है। वे सभी अपनी मस्ती में मस्त हैं।

मैं आज अपनी कविता सुनाऊँगा। मुझे कल जयपुर जाना है।
मेरा कोई दोस्त नहीं है। हमें सभी का सम्मान करना चाहिए।
हम कभी झूठ नहीं बोलेंगे। हमारा पुराना मकान गिर गया।

(ii) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम—

वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग

बोलने वाला वक्ता/व्यक्ति सुनने वाले श्रोता/व्यक्ति के लिए

प्रयोग करता है, मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं—

जैसे— तू, तुझे, तेरा, तुझको, तुम, आप

तू यहाँ क्या कर रहा है? तुम कहाँ जा रहे हो?

तुझे कोई बुला रहा है। आप यहाँ क्या कर रहे हो?

(iii) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम-

वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता और सुनने वाला श्रोता किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग करते हैं, अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है- जैसे ⇒ यह, वह, ये, वे, आप

यह मेरा भाई है। वह तुम्हारी बिल्ली है।

ये मेरे पुराने मित्र हैं। वे तुम्हारी गायें हैं।

पैलेज लॉट पुरुष कहलाते हैं, आप देश की सरकार के सूत्रधार हैं।